हाउसिंग बोर्ड का लेखापाल चार हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

लोकायुक्त की कार्रवाई

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सागर लोकायुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाउसिंग बोर्ड विभाग में पदस्थ एक लेखापाल (अकाउंटेंट) को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, एक शिकायतकर्ता ने सागर लोकायुक्त पुलिस से शिकायत की थी कि हाउसिंग बोर्ड में लंबित विभागीय कार्य के एवज में संबंधित लेखापाल द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। सोमवार को तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोपी लेखापाल को 4 हजार रुपए की रिश्वत राशि सौंपी। जैसे ही आरोपी ने रुपए स्वीकार किए, पहले से मौके पर मौजूद लोकायुक्त अधिकारियों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद लोकायुक्त टीम आरोपी को लेकर हाउसिंग बोर्ड कार्यालय पहुंची, जहां संबंधित फाइलों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में हुई इस कार्रवाई के बाद शासकीय विभागों में हड़कंप मच गया है। लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब रुकेगा मानव-हाथी संघर्ष!

वनकर्मियों ने प. बंगाल में सीखी हाथी प्रबंधन की आधुनिक तकनीकें

उमरिया, देशबन्धु। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की बढ़ती मौजूदगी और उनसे जुड़े मानव-हाथी संघर्ष की चुनौतियों के बीच वन विभाग ने प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश वन विभाग के 30 वन कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में आयोजित छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर जंगली हाथी प्रबंधन एवं मानव-हाथी द्वंद्व रोकथाम की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्रतिनिधित्व वनरक्षक लवकेश प्रसाद कुशवाहा, धीरेंद्र शुक्ल, कैलाश चौधरी, लवकेश गुप्ता एवं रवि कुमार वर्मा ने किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान हाथियों के व्यवहार, उनके प्रबंधन और संघर्ष की परिस्थितियों से निपटने के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया। उत्तरी पश्चिम बंगाल देश के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां मानव-हाथी संघर्ष लंबे समय से एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। ऐसे में वहां विकसित की गई प्रबंधन प्रणालियां और तकनीकें देशभर के वन विभागों के लिए उपयोगी मानी जाती हैं।

प्रशिक्षण के दौरान वन कर्मियों को हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने के ऑपरेशन, ट्रांसेक्ट सर्वे, गोबर विश्लेषण के माध्यम से मॉनिटरिंग, हाथियों के व्यवहार की पहचान, कैम्प हाथियों के प्रबंधन और उनकी शारीरिक संरचना के आधार पर प्रोफाइलिंग जैसी महत्वपूर्ण विधियों का प्रायोगिक अनुभव दिया गया। प्रशिक्षण की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि प्रतिभागियों को गोरुमारा, कर्सिओंग, बैकुंठपुर और जलपाईगुड़ी वन मंडलों के आईएफएस अधिकारियों, वन अमले, वाइल्डलाइफ स्क्वॉड, क्विक रिस्पॉन्स टीम और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिला। इस दौरान मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। गौरतलब है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले लगभग आठ वर्षों से जंगली हाथियों का नियमित विचरण बना हुआ है। अब यह क्षेत्र हाथियों के लिए एक स्थायी आवास के रूप में विकसित हो चुका है, जो यहां के स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत माना जाता है। हालांकि हाथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण रिजर्व से लगे गांवों में फसल नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

वन विभाग का मानना है कि इस अंतरराज्यीय प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और तकनीकी ज्ञान भविष्य में बांधवगढ़ क्षेत्र में हाथियों के बेहतर प्रबंधन, ग्रामीणों की सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

सार-समाचार

सिंगरौली अमलोरी कॉलोनी में दिनदहाड़े गैस सिलेंडर चोरी

सिंगरौली, देशबन्धु। सिंगरौली जिले के नवानगर थाना क्षेत्र स्थित एनसीएल अमलोरी परियोजना की आवासीय कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई है। सोमवार दोपहर करीब 1:15 बजे एक नकाबपोश कॉलोनी के एमक्यू-231 क्वार्टर से घरेलू गैस सिलेंडर चुराकर ले गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दरवाजा खोलकर अंदर घुसा काबपोश सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई पूरी घटना

शिकायतकर्ता रजनी द्विवेदी ने बताया कि घटना के समय घर का दरवाजा खुला था। इसी का फायदा उठाकर आरोपी युवक मौके पर पहुंचा और गैस सिलेंडर लेकर फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का चेहरा ढंका हुआ दिख रहा है, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

परिजनों ने आशंका जताई है कि आरोपी पहले से ही इलाके की रेकी कर रहा था और घर की गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। इस वारदात ने एनसीएल अमलोरी परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलोनी में सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बावजूद चोर का आसानी से अंदर आना और चोरी कर निकल जाना चिंता का विषय बना हुआ है। नवानगर थाना प्रभारी अनिल पटेल ने चोरी की सूचना मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और सुरक्षा गार्डों से भी पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था मौजूद है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी कौन है और वह कॉलोनी में कैसे दाखिल हुआ।

देवसर बायपास पर खड़े ट्रक से टकराया ऑटो, चालक समेत चार घायल

सिंगरौली, देशबन्धु। सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र में सोमवार शाम करीब चार बजे एक सड़क हादसा हुआ। पश्चिमी बाईपास मार्ग पर एक ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में ऑटो चालक सहित उसमें सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना देवसर के पश्चिमी बाईपास पर हुई, जहां लंबे समय से भारी वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग एक समस्या बनी हुई है। जिस ट्रक से ऑटो टकराया, वह भी सड़क किनारे खड़ा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार ऑटो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सीधे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए, उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की भी सूचना है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पश्चिमी बाईपास पर ट्रकों की अवैध और बेतरतीब पार्किंग लंबे समय से जारी है। नो-एंट्री खुलने का इंतजार करते हुए कई ट्रक चालक अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर देते हैं। इससे आए दिन सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। यह घटना जियावन थाना क्षेत्र की है।

दुर्घटना के कारणों का पता लगाएंगे

जियावन थाना प्रभारी शेष नारायण द्विवेदी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की और अब पूरे मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बालाघाट के खैरलांजी में वैनगंगा नदी में डूबने से दो युवकों की मौत

बालाघाट/वारासिवनी, देशबन्धु। जिले के खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम खैरी से प्रवाहित होने वाली वैनगंगा नदी में सोमवार को डूबने से दो युवकों की मौत हो गई।बताया गया कि साहिल पिता मनोज भालाधरे 18 वर्ष और अक्षय पिता संजय लानगे 18 वर्ष दोनों ग्राम खैरी निवासी सुबह लगभग 10 बजे वैनगंगा नदी में नहाने के लिए गए हुए थे, जहां पर नहाने के दौरान दोनों युवक नदी पर बने पुल के नीचे गड्ढे में चले गए, वहां अधिक गहरा गड्ढा होने से गहरे पानी में चले जाने से वे बाहर नहीं निकल पाए।

घटना की जानकारी मिलने पर खैरलांजी थाना से सहायक उपनिरीक्षक किशोर माने, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र सिंह नागभिरे, कार्यालय सहायक उपनिरीक्षक आर्मो ने मौके पर पहुंचकर मछुआरों की सहायता से दोनों युवकों की खोज प्रारंभ की गई। मछुआरों ने नदी में खोज के दौरान गहरे गड्ढे से दोनों के शव को बाहर निकाला गया।पुलिस ने दोनों के शव का पंचनामा कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम करवाकर स्वजनों को सौंपा। एक ही गांव में एक साथ दो युवकों की मौत हो जाने से पूरे मातम छाया हुआ है। घटना के बाद से दोनों युवकों के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की जांच कर रहे सहायक उपनिरीक्षक किशोर माने ने बताया कि दोनों युवक खैरी के रहने वाले हैं। वे नहाने के लिए वैनगंगा नदी में गए थे। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

चलते ट्रक में भड़की भीषण आग परचून का सामान हुआ खाक, चालक-परिचालक ने कूदकर बचाई जान

दूर से नजर आ रहीं थीं लपटें

उमरिया, देशबन्धु। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब परचून का सामान लेकर जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रक में लदा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंच जाने से आग पर काबू पा लिया गया और किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

चालक-परिचालक ने कूदकर बचाई जान×जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 3 बजे की है। कटनी से ब्यौहारी क्षेत्र के टिहकी गांव की ओर परचून का सामान लेकर जा रहा ट्रक बरही-मानपुर मार्ग स्थित स्टेट हाईवे-10 पर पनपथा गांव के हाई स्कूल के पास पहुंचा ही था कि अचानक उसमें आग लग गई। शुरुआती तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। रात के सन्नाटे में ट्रक से उठती आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। आग इतनी तेज थी कि ट्रक में रखा परचून का सामान तेजी से जलने लगा। चालक और आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा, लेकिन वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगे। फिलहाल इस घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन ट्रक और उसमें लदा अधिकांश सामान आग की भेंट चढ़ गया।

साखी पंचायत की घटिया सड़क की फोटो खीचने पर पत्रकार को मिली धमकी

विरोध में मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ ने सौंपा ज्ञापन

ब्यौहारी,देशबन्धु । जनपद की बहुचर्चित ग्राम पंचायत साखी मे निर्माणाधीन एक पीसीसी सडक निर्माण कार्य की फोटो वीडियो बनाने पर पत्रकार सूर्यभान यादव को अश्लील गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी मिली है। मामले को लेकर पीडित ने थाना ब्यौहारी मे शिकायत देकर कार्यवाही की माग की है आवेदन दिए तीन दिन बीतने के बाद भी कार्यवाही नही होने पर आज मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पत्रकार एकजुट होकर थाना पहुचे और थाना प्रभारी जियाउलहक से मिलकर ग्यापन सौप कार्यवाही की माग की है ! गौरतलब है कि ग्राम साखी मे वार्ड क्र01 मे सूसामटी के सामने से अंन्जनी बैस के घर तक एक पीसीसी सडक का निर्माण हो रहा है।

लोगों की शिकायत है कि उपरोक्त सडक मिट्टी की ढेर बिछाकर बनाई जा रही है जिसमे वेस नही है स्टीमेड एवं ड्राइग डिजाइन के बिपरीत कराऐ जा रहे कार्य की स्थानीय पत्रकार द्वारा फोटो वीडियो बनाई जाकर समाचार प्रकाशित किया गया जिसे लेकर नीलेश सोनी द्वारा पत्रकार सूर्यभान यादव को फोन लगाकर मा बहन की जातिगतअश्लील गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी दी गई वो भी एक बार नही बल्कि बार बार, पीडित पत्रकार ने बताया कि नीलेश के बाद रामराज गुप्ता द्वारा भी हमे फोन कर अपमानित किया गया मुझे भय है कि उपरोक्त लोग कभी भी कही भी हमारे साथ कुछ भी कर सकते है जिसके बाद आज आयोजित हुई संघ की बैठक मे घटना की निन्दा की गई और थाना प्रभारी को ग्यापन सौपा गया!

इनका कहना

आप लोग पावती ले लीजिये। हम कार्यवाही करेगे।

जिया उल हक, नगर निरीक्षक ब्यौहारी

भाइयों में रास्ते के विवाद पर हमला, दो गंभीर

पन्ना, देशबन्धु। जिले के पवई थाना क्षेत्र के ग्राम नारायनपुरा में रास्ते के विवाद को लेकर एक ही परिवार लोगों में मारपीट हो गई। विवाद इस कदर बढ़ा कि मंझले भाई और उसके दो बेटों ने अपने ही बड़े और छोटे भाई पर लाठी और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया।

इस हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, नारायनपुरा निवासी बद्री सिंगरौली (60 वर्ष) और उनके बड़े भाई कृपाल सिंगरौली (70 वर्ष) का अपने मंझले भाई रामलाल से रास्ते को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। सोमवार, 15 जून को इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। रामलाल और उसके बेटों शिवदयाल और देवीदीन ने बद्री और कृपाल पर डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीण

हमले के दौरान मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने दोनों भाइयों को लहूलुहान हालत में देखकर तुरंत बीच-बचाव किया और मामला शांत कराया। ग्रामीणों की मदद से ही दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।ष्ट) पवई ले जाया गया।

मंझले भाई और बेटों ने कुल्हाड़ी-डंडों से किया हमला

दोनों घायलों की हालत गंभीर, पन्ना रेफर

इस हमले में बड़े भाई कृपाल के सिर पर डंडे से गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, छोटे भाई बद्री ने जब हमले को रोकने का प्रयास किया, तो उनके दोनों हाथों में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है, जिसके बाद पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

पन्ना में युवाओं का रोजगार को लेकर अनोखा प्रदर्शन

हाथों में घंटा लेकर निकाली रैली, कहा-फैक्ट्रियां हमारी जमीन पर और नौकरियां बाहरी लोगों को

पन्ना, देशबन्धु। पन्ना जिले में स्थानीय युवाओं को रोजगार न मिलने और बड़ी कंपनियों में बाहरी लोगों को नौकरी दिए जाने के विरोध में सोमवार को युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा। रोजगार की मांग को लेकर शहनगर इलाके में युवाओं और क्षेत्रवासियों ने हाथों में 'घंटा' लेकर एक अनोखी रैली निकाली।

युवाओं का कहना था कि फैक्ट्रियां हमारी जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन रोजगार के नाम पर हमें कुछ नहीं दे रही। रैली के बाद युवाओं ने शहनगर एसडीएम के जरिए मुख्यमंत्री के नाम 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

हमारी जमीन, हमारे संसाधन, फिर भी हम बेरोजगार-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे युवा समाजसेवी अंकित पाठक और स्थानीय युवाओं ने जेके सीमेंट जैसी बड़ी कंपनियों पर सीधे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ये फैक्ट्रियां पन्ना जिले की जमीन, पानी और सड़कों का इस्तेमाल करके करोड़ों का मुनाफा कमा रही हैं।

लेकिन जब स्थानीय पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी देने की बात आती है, तो उनके दस्तावेजों में कमियां निकालकर उन्हें बाहर कर दिया जाता है। नतीजा यह है कि जिले के डिग्रियां लेकर घूम रहे युवा आज भी बेरोजगार हैं और कंपनियां बाहरी लोगों को नौकरियां बांट रही हैं। युवाओं ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इन उद्योगों की मनमानी पर लगाम लगाई जाए। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ये बातें उठाई गई स्थानीय कोटा तय हो: पन्ना जिले के सभी उद्योगों में स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से पहली प्राथमिकता मिले और नई भर्तियों में जिले के युवाओं के लिए एक फिक्स कोटा तय किया जाए।

लोकल ठेकेदारों को मौका: कंपनियों में होने वाले ट्रांसपोर्टेशन, सुरक्षा (सिक्योरिटी), कंस्ट्रक्शन और सप्लाई जैसे कामों के ठेके बाहर के लोगों के बजाय स्थानीय योग्य ठेकेदारों को ही दिए जाएं। सड़कों का सुधार और ट्रॉमा सेंटर: भारी वाहनों (ट्रकों) की वजह से आए दिन होने वाले हादसों को रोकने के लिए सड़कों को चौड़ा किया जाए। साथ ही एक्सीडेंट वाले इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, एम्बुलेंस और ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्था की जाए। सीआरएस फंड का हिसाब: कंपनियों के सीएसआर फंड का पैसा पन्ना के गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ पानी और सड़कों के विकास पर खर्च हो।

प्रदूषण की जांच हो, नहीं तो ठप करेंगे काम

युवाओं ने फैक्ट्रियों से फैल रहे प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया और इसकी किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपते समय अंकित पाठक, विकास, नितिन, रश्कांत, मोहित, आज़ाद और शुभम सहित भारी संख्या में मौजूद युवाओं ने प्रशासन को चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि अगर इन जायज मांगों पर जल्द से जल्द कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में यह शांतिपूर्ण आंदोलन एक उग्र प्रदर्शन में बदल जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।